कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 07.02.2023

//प्रेस विज्ञप्ति//

गर्ल्स कॉलेज में विश्व कैंसर दिवस पर व्याख्यान

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कैंसर जागरूकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के कैंसर के लक्षण, उपचार एवं बचाव की जानकारी छात्राओं को दी गई।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि जब शरीर की कोशिकायें अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती है तो उसे कैंसर कहा जाता है, नियमित जाँच और चिकित्सीय परामर्श से कैंसर का शुरूआती स्तर पर पता लगाया जा सकता है और ईलाज संभव है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कैंसर के ईलाज की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, टॉरगेट थेरेपी एवं हॉर्मोन थेरेपी जैसी नवीनतम चिकित्सा का प्रयोग कैंसर के प्रकार और स्टेज के आधार पर किया जाता है।

यूथ रेडक्रॉस वालिंटियर कु. महक परवीन ने कैंसर के विभिन्न प्रकार बताये, कु. मनीषा धृतलहरे ने लक्षणों की जानकारी दी।

डॉ. तोशीना तेलंग ने रेडियेशन थेरेपी के उपयोग के बारे में बताया कि यह एडवांस स्टेज में कैंसर के लक्षणों को कम करने के लिए, कैंसर के प्राथमिक उपचार के रूप में किया जाता है। डॉ. प्रिया मेहरा ने महिलाओं में होने वाले स्तन एवं सरविक्स कैंसर की जानकारी दी तथा इनके प्रति सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता को बताया।

आहार विशेषज्ञ डॉ. रिमशा लाकेश ने कहा कि भारत में पुरूषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर सर्वाधिक होता है। परन्तु जीवनशैली, खानपान में सुधार, उचित व्यायाम आदि इसके बचाव के कारगार उपाय है। शोधार्थी कु. तबस्सुम ने कहा कि डिब्बा बन्द भोजन, रूम फ्रेशनर, डाई आदि में उपस्थित केमीकल भी कैंसर का कारण बन सकते है।

कु. लुबना खान ने बताया कि शरीर में होने वाले बदलावों को जैसे, अत्यधिक थकान, बार–बार बुखार आना, लगातार दर्द का बना रहना एवं नियमित दिनचर्या में बिना किसी बदलाव के वजन में कमी कैंसर के शुरूआती लक्षण हो सकते है। छात्राओं ने प्रश्नों के माध्यम से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का संचालन शबीना एवं आभार प्रदर्शन कु. उर्वर्शी निषाद ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)